Prof. Nalini Srivastava (Organizing Secretary)

Prof Mohammad Miyan (Chief Guest) Former Vice Chancellor ,
Mulana Azad National Urdu University, Hyderabad

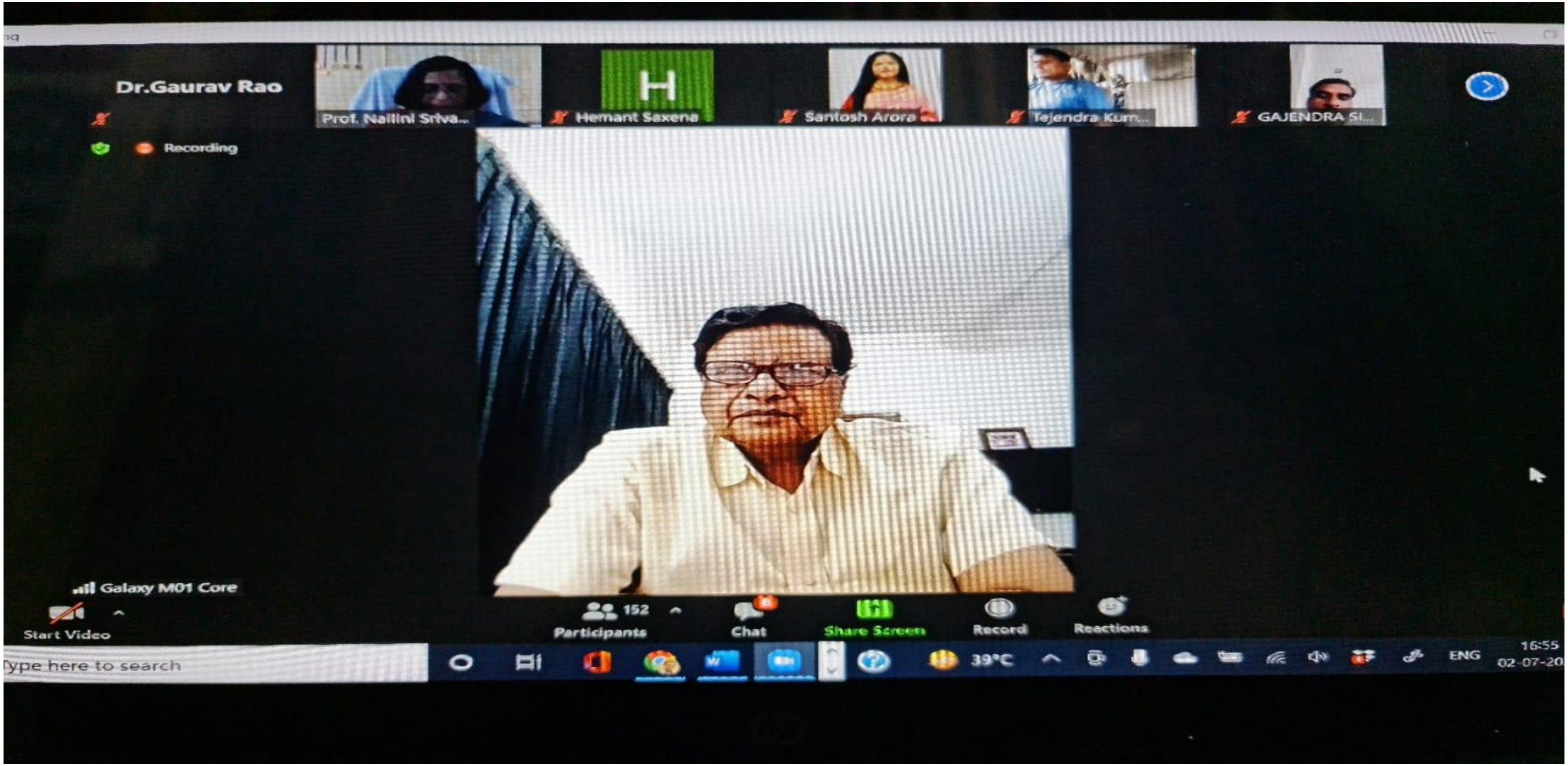

Prof. Santosh Arora, (Member) Teacher Re-skilling Cell

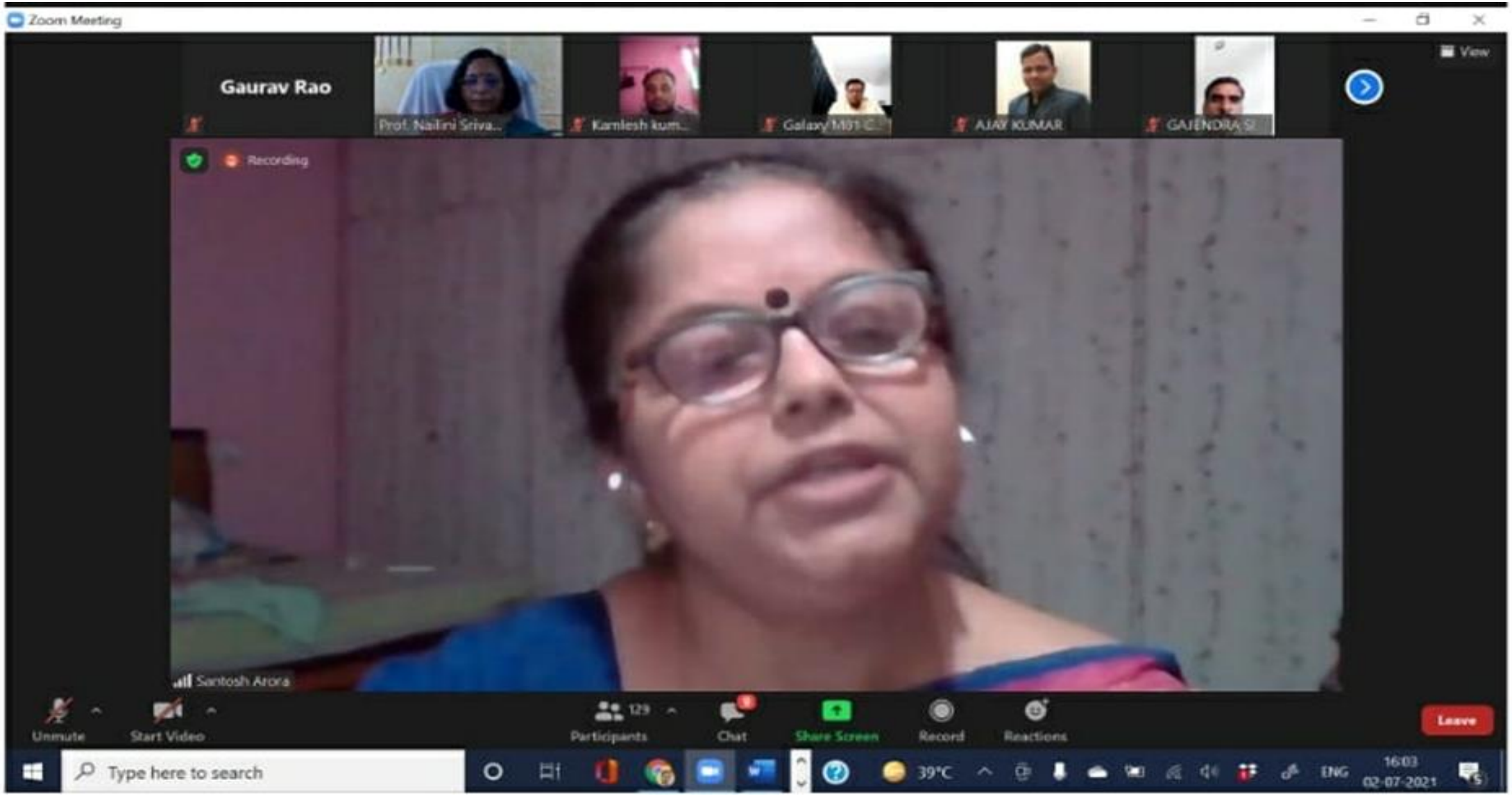

Participants of National Webinar

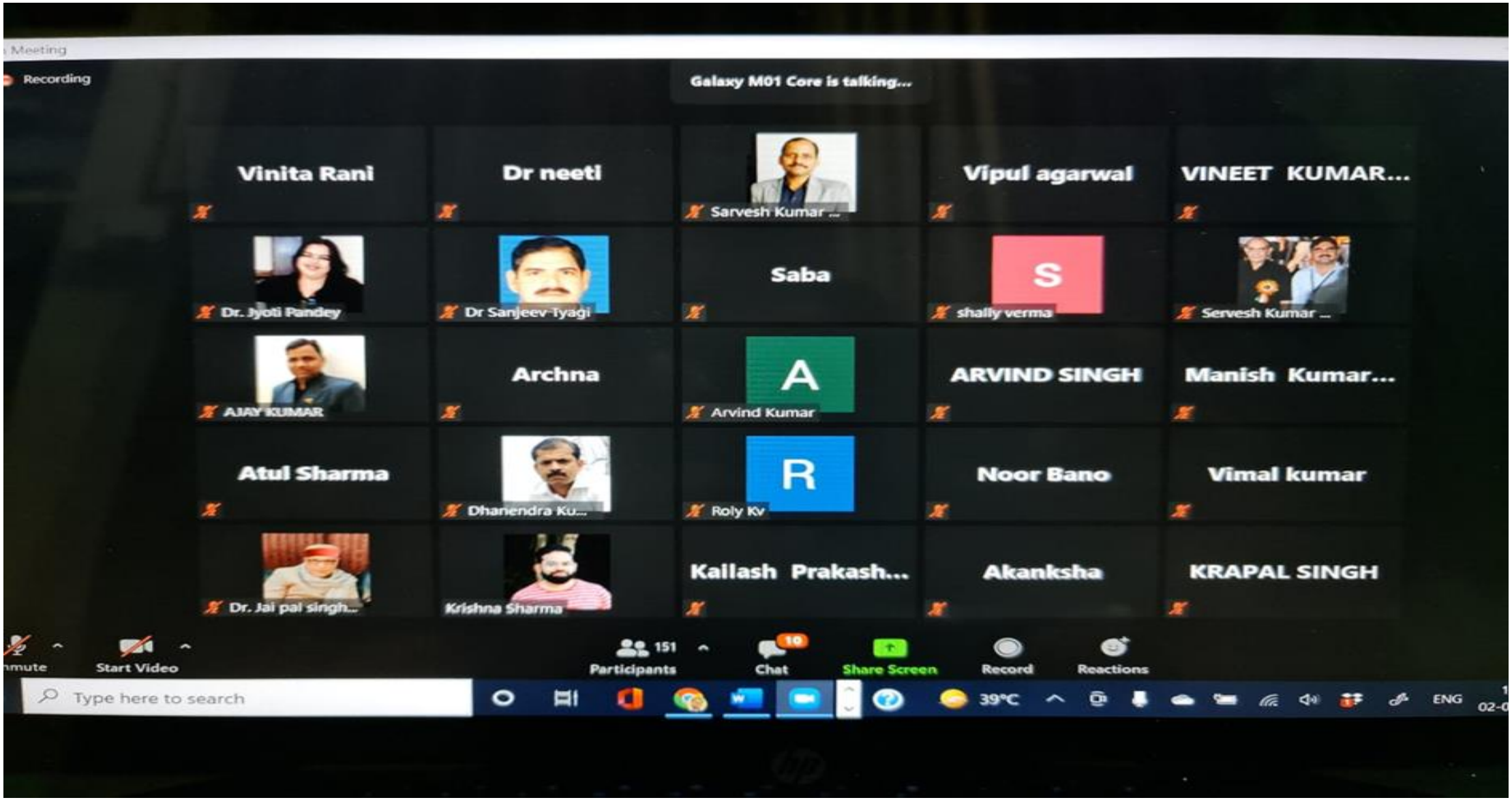

Media Coverage of webinar (02-07-2021)

शिक्षकों का दायित्व केवल कक्षा में पढ़ाने तक सीमित नहीं

अमृत विचार, बरेली

आयोजन

- **एमजेपी रुहेलखंड विश्वविद्यालय ने नई शिक्षा नीति पर किया राष्ट्रीय वेबिनार**
- **वक्ताओं ने उच्च शिक्षा के शिक्षकों की भूमिका व दायित्व पर प्रकाश डाला**

एमजेपी रुहेलखंड विश्वविद्यालय की टीचर रीस्किलिंग सेल ने शुक्रवार को कुलपति प्रोफेसर केपी सिंह की अध्यक्षता में राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 को लागू करने में उच्च शिक्षा के शिक्षकों की भूमिका व दायित्व विषय पर वेबिनार आयोजन किया। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता मौलाना आजाद राष्ट्रीय उर्दू विश्वविद्यालय हैदराबाद के पूर्व कुलपति प्रोफेसर मोहम्मद मियां ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति के नए परिप्रेक्ष्य उच्च शिक्षा संस्थान के शिक्षकों से क्या अपेक्षाएं यह भी समझाया। उन्होंने कहा कि एक शिक्षक को पढ़ाने के अलावा छात्रों के व्यक्तित्व विकास पर भी ध्यान देना चाहिए। छात्रों का सृजनात्मक विकास कैसे करना है तथा उनका मूल्यांकन कैसे होना चाहिए, यह भी उच्च शिक्षा के शिक्षकों को ध्यान देना चाहिए।

उन्होंने बताया कि शिक्षकों का दायित्व सिर्फ कक्षा में पढ़ाने तक ही सीमित नहीं है। क्रियान्वयन की एक ठोस रणनीति की जरूरत है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति का क्रियान्वयन बिना शिक्षकों की सक्रिय भागीदारी के संभव नहीं है तथा नई चुनौतियों के लिए शिक्षकों को तैयार रहना होगा। कार्यक्रम में सेल की समन्वयक और शिक्षा विभाग की विभागाध्यक्ष व संकाय अध्यक्षा प्रो. नलिनी श्रीवास्तव ने टीचर्स रीस्किलिंग सेल के उद्देश्यों पर प्रकाश डाला। शिक्षा विभाग की प्रो. संतोष अरोड़ा ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति के उद्देश्यों पर प्रकाश डाला तथा उसे पूरा करने में शिक्षकों की भूमिका को सर्वाधिक महत्वपूर्ण बताया। कार्यक्रम में 160 से अधिक प्रतिभागियों ने भाग लिया।

शिक्षकों ने समझा नई शिक्षा नीति में अपना दायित्व

गंभीर न्यूज संवाददाता

बरेली। रुहेलखंड विश्वविद्यालय के टीचर सेल द्वारा विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर के पी सिंह की अध्यक्षता में एक राष्ट्रीय वेबीनार का आयोजन किया गया।

इस वेबीनार का विषय था राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 को लागू करने में उच्च शिक्षा के शिक्षकों की भूमिका व दायित्व । कार्यक्रम के मुख्य वक्ता मौलाना आजाद राष्ट्रीय उर्दू विश्वविद्यालय के कुलपति रह चुके प्रोफेसर मोहम्मद मियां साहब थे।

प्रोफेसर मोहम्मद मियां ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति के नए परिप्रेक्ष्य को समझाया तथा उच्च शिक्षा संस्थान के शिक्षकों से क्या अपेक्षाएं हैं यह भी समझाया। एक शिक्षक को पढ़ाने के अलावा छात्रों के व्यक्तित्व विकास पर भी ध्यान देना चाहिए। छात्रों का सृजनात्मक विकास कैसे करना है तथा उनका मूल्यांकन कैसे होना चाहिए यह भी उच्च शिक्षा के शिक्षकों को ध्यान देना चाहिए।

प्रोफेसर मियां ने बताया कि शिक्षकों का दायित्व सिर्फ कक्षा में पढ़ाने तक ही सीमित नहीं है। क्रियान्वयन की एक ठोस रणनीति की जरूरत है तथा शिक्षकों की ही इसमें मुख्य भूमिका रहेगी। राष्ट्रीय शिक्षा नीति का क्रियान्वयन बिना शिक्षकों की सक्रिय भागीदारी के संभव नहीं है, तथा नई चुनौतियों के लिए शिक्षकों को तैयार रहना होगा।

कार्यक्रम में सेल की कोऑर्डिनेटर तथा शिक्षा विभाग की विभागाध्यक्ष व संकाय अध्यक्षा प्रोसेसर नलिनी श्रीवास्तव ने उद्देश्यों पर प्रकाश डाला। उन्होंने ने बताया की शिक्षकों के कौशल विकास के लिए अनवरत प्रयास करता रहेगा तथा इसमें आगे भी कार्यक्रम होते रहेंगे। शिक्षा विभाग की ही प्रोफेसर संतोष अरोड़ा ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति के उद्देश्यों पर प्रकाश डाला तथा उसे पूरा करने में शिक्षकों की भूमिका को सर्वाधिक महत्वपूर्ण बताया। उन्होंने सभी अतिथियों तथा मुख्य वक्ता को धन्यवाद भी ज्ञापित किया। कार्यक्रम में 160 से अधिक प्रतिभागियों ने भाग लिया ।

नई शिक्षा नीति में शिक्षकों ने समझा अपना दायित्व

जासं, बरेली: रुहेलखंड विश्वविद्यालय के टीचर्स रीस्किलिंग सेल की ओर से विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. केपी सिंह की अध्यक्षता में राष्ट्रीय शिक्षा नीति में शिक्षकों की भूमिका विषय पर राष्ट्रीय वेबीनार का आयोजन हुआ। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता मौलाना आजाद राष्ट्रीय उर्दू विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति प्रो. मोहम्मद मियां साहब ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति के नए परिप्रेक्ष्य को समझाया। उन्होंने कहा कि शिक्षक को पढ़ाने के अलावा छात्रों के व्यक्तित्व विकास पर भी ध्यान देना चाहिए। शिक्षा विभाग की विभागाध्यक्ष व संकाय अध्यक्षा प्रोसेसर नलिनी श्रीवास्तव ने टीचर्स रीस्किलिंग सेल के उद्देश्यों पर प्रकाश डाला। इसमें 160 से अधिक प्रतिभागियों ने भाग लिया।